खंड ३, अंक १, मार्च –२०२६
ई–विज्ञानम
मासिक विज्ञान पत्रिका

Vol. 3, Issue 1, March-2026
e-vigyanam
Monthly Science Journal

लघु आलेख (Short Article)

DOI: 10.66346/ev.v3i1.2026.7

मार्च माह 2026 की महत्वपूर्ण वैज्ञानिक घटनाएं

अवनीश मिश्रा*, अभिषेक प्रजापति, अभिषेक कुमार सरोज
भौतिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ०प्र०, भारत-273010
लेखक से संवाद के लिए ईमेल*- avanishmishra7376@gmail.com

आलेख प्राप्त: २३ जून २०२६; स्वीकृत: २८ जून २०२६
प्रथम ऑनलाइन प्रकाशित: २८ जून २०२६

सारांश

मार्च 2026 विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा तथा अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण घटनाओं और उपलब्धियों का साक्षी रहा। इस लेख में मार्च 2026 के दौरान घटित प्रमुख वैज्ञानिक, खगोलीय, जैव-चिकित्सीय तथा रक्षा-संबंधी विकासों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया है। इस अवधि में पूर्ण चंद्र ग्रहण, शुक्र-शनि युति, मार्च विषुव तथा अन्य उल्लेखनीय खगोलीय घटनाओं ने वैज्ञानिक समुदाय और आम जनमानस का ध्यान आकर्षित किया। जीवविज्ञान एवं चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोगशाला में विकसित ग्रासनली के सफल परीक्षण तथा क्लोनिंग अनुसंधान में नई जानकारियों ने चिकित्सा विज्ञान की संभावनाओं को विस्तृत किया। भौतिकी एवं कण अनुसंधान में नए उप-परमाणु कणों की खोज तथा प्रतिपदार्थ संबंधी परीक्षणों ने वैज्ञानिक प्रगति को नई दिशा प्रदान की। इसके अतिरिक्त भारत ने रक्षा क्षेत्र में 'विजन 2047', रिकॉर्ड रक्षा निर्यात, उन्नत रक्षा अधिग्रहण तथा स्वदेशी मिसाइल एवं तकनीकी परीक्षणों के माध्यम से अपनी रणनीतिक और तकनीकी क्षमताओं को सुदृढ़ किया। विज्ञान सम्मेलनों, विज्ञान कार्निवलों तथा विश्व जल दिवस जैसे आयोजनों ने वैज्ञानिक जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा दिया। यह अध्ययन दर्शाता है कि मार्च 2026 का महीना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा प्रगतिशील पहलों से परिपूर्ण रहा।

सूचक शब्द - वैज्ञानिक घटनाएँ, खगोलीय घटनाएँ, पूर्ण चंद्र ग्रहण, वर्म मून, मार्च विषुव, भौतिकी, प्रतिपदार्थ, रक्षा प्रौद्योगिकी रक्षा निर्यात, मिसाइल परीक्षण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।

खंड ३, अंक १, मार्च –२०२६
ई–विज्ञानम
मासिक विज्ञान पत्रिका

Vol. 3, Issue 1, March-2026
e-vigyanam
Monthly Science Journal

लघु आलेख (Short Article)

DOI: 10.66346/ev.v3i1.2026.7

Important Scientific Events of March 2026

Avanish Mishra*, Abhishek Prajapati, Abhishek kumar Saroj,
Department of Physics and Material Science, Madan Mohan Malaviya University of Technology
Gorakhpur, Uttar Pradesh, India – 273010
Corresponding Author Email*: avanishmishra7376@gmail.com

Received On: 23 June 2026; Accepted On: 28 June 2026
Published Online First: 28 June 2026

ABSTRACT

March 2026 witnessed numerous significant events and achievements in the fields of science, technology, defense, and space research. This article presents a concise overview of the major scientific, astronomical, biomedical, and defense-related developments that occurred during the month. Notable astronomical events, including the total lunar eclipse, the Venus–Saturn conjunction, the March equinox, and other celestial phenomena, attracted considerable attention from both the scientific community and the general public. In the fields of biology and medicine, the successful testing of a laboratory-grown esophagus and new findings in cloning research expanded the prospects of medical science. Advances in physics and particle research, including the detection of new subatomic particles and preliminary studies on antimatter stability, opened new avenues for scientific exploration. Furthermore, India strengthened its strategic and technological capabilities through initiatives such as "Vision 2047," record-breaking defense exports, major defense acquisitions, and indigenous missile and technology tests. Scientific conferences, science carnivals, and observances such as World Water Day contributed to the promotion of scientific awareness and innovation. Overall, this study highlights that March 2026 was marked by significant achievements and progressive initiatives at both national and global levels in the domains of science and technology.

Keywords: Scientific Events, Astronomical Events, Total Lunar Eclipse, Worm Moon, March Equinox, Physics, Antimatter, Defense Technology, Defense Exports, Missile Testing, Science and Technology.

क्रम संख्या	माह	महत्त्वपूर्ण घटनाएं
1.	**मार्च**	**खगोलीय घटनाएँ** • **3 मार्च - पूर्ण चंद्र ग्रहण:** पूर्ण "वर्म मून" पृथ्वी की छाया से गुजरा, जिससे एक घंटे तक चलने वाला गहरा लाल रंग का ब्लड मून दिखाई दिया, जो उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और एशिया सहित दुनिया के अधिकांश हिस्सों में मौजूद था। • **8 मार्च - शुक्र-शनि का संयोजन:** पर्यवेक्षकों ने सूर्यास्त के तुरंत बाद पश्चिमी आकाश में नीचे की ओर, चमकीले शुक्र और शनि को मात्र 1 डिग्री की दूरी पर (हाथ की लंबाई पर एक उंगली की चौड़ाई के बराबर) बैठे हुए देखा। • **20 मार्च - मार्च विषुव:** यह घटना दोपहर 2:45 यूटीसी पर घटित होती है, जो उत्तरी गोलार्ध में वसंत ऋतु और दक्षिणी गोलार्ध में शरद ऋतु की खगोलीय शुरुआत का प्रतीक है, जिसमें पृथ्वी पर दिन और रात लगभग बराबर होते हैं। • **18 मार्च - त्रिपक्षीय सुबह का मिलन:** भोर से पहले दक्षिण-पूर्वी आकाश में एक पतले अर्धचंद्राकार चंद्रमा ने मंगल और बुध के साथ एक अद्भुत त्रिकोण बनाया। • **29 मार्च - रेगुलस का चंद्र ग्रहण:** चंद्रमा सिंह राशि के सबसे चमकीले तारे रेगुलस के सामने से गुजरा, जो एशिया, अफ्रीका और यूरोप के कुछ हिस्सों में दिखाई देने वाला एक सुंदर दृश्य था। • **अंतरिक्ष चिकित्सा अनुसंधान:** नासा ने आईएसएस पर चल रहे अध्ययनों पर प्रकाश डालते हुए व्यापक अपडेट जारी किए हैं - जो कैंसर के उपचार में सुधार के लिए सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में स्टेम कोशिकाओं को विकसित करने पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। **जीवविज्ञान एवं चिकित्सा** • प्रयोगशाला में विकसित ग्रासनलीशोधकर्ताओं ने सफलतापूर्वक प्रयोगशाला में विकसित ग्रासनली को पशु मॉडलों में बनाया और उसका परीक्षण किया, जिससे यह प्रदर्शित हुआ कि यह अंग के हिस्सों को सुरक्षित रूप से प्रतिस्थापित करने और प्रतिरक्षा दमन के बिना कार्यक्षमता को बहाल करने में सक्षम है । • क्लोनिंग में डीएनए की सीमाएं: चूहों पर किए गए एक जापानी अध्ययन में पाया गया कि संचित संरचनात्मक डीएनए उत्परिवर्तनों के कारण एक ही दाता से बार-बार क्लोनिंग 58 पीढ़ियों तक ही सीमित है। **तकनीक और स्वास्थ्य** • **NavIC उपग्रह उपलब्धि:** भारत की क्षेत्रीय उपग्रह नेविगेशन प्रणाली, विशेष रूप से 2016 में लॉन्च किए गए IRNSS-1F उपग्रह ने अपना कार्यात्मक जीवनकाल पूरा कर लिया है, जो ISRO द्वारा नियोजित स्वदेशी परमाणु घड़ी उन्नयन की आवश्यकता पर बल देता है। • **विश्व गुर्दा दिवस (12 मार्च):** वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों ने "सभी के लिए गुर्दा स्वास्थ्य - लोगों की देखभाल, ग्रह की रक्षा" विषय पर ध्यान केंद्रित किया और प्रारंभिक निदान के लिए जागरूकता बढ़ाई। **भौतिकी और कण अनुसंधान** • कणों का पता लगाना: शोधकर्ताओं ने प्रमुख त्वरक संयंत्रों में नए, भारी कणों का पता लगाकर उप-परमाणु कण अनुसंधान में हुई प्रगति की जानकारी दी है। • प्रतिपदार्थ की स्थिरता: परिवहन के दौरान प्रतिपदार्थ की स्थिरता का मूल्यांकन करने के लिए प्रारंभिक परीक्षण किए गए। **पृथ्वी और जलवायु** • **विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन (मार्च की शुरुआत में):** दिल्ली में आयोजित इस शिखर सम्मेलन में विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने भारत के ऊर्जा परिवर्तन और नेट-जीरो लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जलवायु कार्रवाई की रणनीतियों पर चर्चा की। • **विश्व जल दिवस (22 मार्च):** संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन जल संबंधी समाधानों में महिलाओं और लड़कियों को प्रमुखता देकर मनाया, इस बात पर जोर देते हुए कि समावेशी निर्णय लेने से अधिक टिकाऊ जल प्रबंधन होता है। • **विश्व वानिकी एवं मौसम विज्ञान दिवस (21-23 मार्च):** मीठे पानी के संरक्षण, वन जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन संबंधी उपायों पर प्रकाश डालने वाले प्रमुख वैश्विक कार्यक्रम। **मार्च 2026 की प्रमुख रक्षा और प्रौद्योगिकी घटनाएं** मार्च 2026 में रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां और नीतिगत घोषणाएं हुईं, जो भारत की स्वदेशी क्षमताओं और रणनीतिक आधुनिकीकरण पर केंद्रित रहीं। 1. **रक्षा बलों के लिए विजन 2047:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 10 मार्च 2026 को 'रक्षा बलों के लिए विजन 2047: भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना का रोडमैप' जारी किया। इसका उद्देश्य 2047 तक सेना को आधुनिक, एकीकृत और तकनीकी रूप से उन्नत बनाना है।

2. **राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन (NDIC 2026):** 19-20 मार्च 2026 को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया। रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस 'उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी' और रक्षा विनिर्माण में MSMEs (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) को एकीकृत करना था।
3. **रक्षा निर्यात में भारी उछाल:** सरकार द्वारा जारी आंकड़ों में बताया गया कि वित्त वर्ष के दौरान भारत का रक्षा निर्यात ₹38,424 करोड़ ($4.1 बिलियन) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 60% से अधिक की वृद्धि है।
4. **रक्षा खरीद बोर्ड की नई स्वीकृतियां:** रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने वायु रक्षा, संचार, निगरानी और विमानन क्षेत्रों में लगभग ₹2.38 लाख करोड़ (लगभग $25 बिलियन) के खरीद प्रस्तावों की स्वीकृति दी, जिसमें S-400 प्रणाली की अतिरिक्त खरीद और स्टील्थ ड्रोन शामिल हैं।
5. **मिसाइल एवं तकनीक परीक्षण:** DRDO ने स्वदेशीकरण को बढ़ावा देते हुए मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल (MIRV) तकनीक वाली अग्नि मिसाइल और 'तारा' (Tara) ग्लाइड हथियार प्रणाली का परीक्षण कर भारत की रणनीतिक मारक क्षमता को और मजबूत किया।
6. **भारत-कनाडा रक्षा वार्ता:** भारत और कनाडा के बीच नई दिल्ली में औपचारिक रक्षा वार्ता का शुभारंभ हुआ।
7. **रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) द्वारा रिकॉर्ड स्वीकृतियां:**

- **₹2.38 लाख करोड़ के सौदे:** 27 मार्च 2026 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में DAC ने सेना और वायु सेना के लिए अब तक के सबसे बड़े खरीद प्रस्तावों को मंज़ूरी दी।
- **प्रमुख सौदे:** इनमें S-400 वायु रक्षा प्रणाली, 300 धनुष तोपखाने प्रणाली, और स्वदेशी घातक स्टील्थ मानवरहित लड़ाकू हवाई वाहन (UAV) शामिल हैं।

8. **रक्षा विनिर्माण और तकनीक सम्मेलन:**

- **राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन (NDIC):** 19-20 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य विषय 'उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी' था। इसका उद्देश्य MSMEs और स्टार्टअप्स को रक्षा उत्पादन तंत्र से जोड़ना था।
- **पुस्तकें और फ्रेमवर्क लॉन्च:** इसी कार्यक्रम में रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा 'SAMARTHYA 2026' और 'AI Maturity Assessment Model' जैसी 5 महत्वपूर्ण नीतियां और मार्गदर्शिकाएं जारी की गईं।

9. **अंतर्राष्ट्रीय रक्षा सहयोग और निर्यात:**

- **रूस और अमेरिका के साथ रक्षा सौदे:** भारत ने 27 मार्च 2026 को रूस के साथ Tunguska Air Defence Missile System और अमेरिका के साथ नौसेना के P8I टोही विमानों के रखरखाव के लिए ₹858 करोड़ के अनुबंध किए।
- **बढ़ता रक्षा निर्यात:** मार्च 2026 में समाप्त हुए वित्त वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात ₹38,424 करोड़ ($4.1 बिलियन) के पार पहुंच गया, जो कि एक रिकॉर्ड वृद्धि है।

10. **'विजन 2047' का अनावरण:**

- 10 मार्च 2026 को रक्षा बलों को आधुनिक और एकीकृत बनाने के उद्देश्य से 'रक्षा बलों के लिए विजन 2047: भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना का रोडमैप' जारी किया गया।

11. **डीआरडीओ (DRDO) की प्रमुख उपलब्धियां:**

- **CEPTAM-11 परीक्षा:** DRDO ने सीनियर टेक्निकल असिस्टेंट और टेक्नीशियन (764 पद) के लिए 23 मार्च 2026 को परीक्षा आयोजित की।
- **चिकित्सा के क्षेत्र में विश्व रिकॉर्ड:** आर्मी अस्पताल ने 10 मार्च 2026 को दृष्टिबाधित (Glaucoma) के इलाज हेतु मोतियाबिंद के साथ पहली बार Hydrus Microstent के प्रत्यारोपण का विश्व-प्रथम सफल ऑपरेशन किया।

मार्च 2026 की प्रमुख वैज्ञानिक घटनाएँ

- **6 मार्च** – वैज्ञानिकों ने निकटवर्ती लाल बौने तारे GJ 887 के चारों ओर घूमने वाले सुपर-अर्थ ग्रह GJ 887 d की खोज की घोषणा की। यह ग्रह अपने तारे के रहने योग्य क्षेत्र में स्थित है और पृथ्वी से लगभग 10.7 प्रकाश-वर्ष दूर है। इसी दिन, ब्रिटेन के सर्जनों ने जिब्राल्टर में मौजूद एक मरीज पर लगभग 1,500 मील दूर से रोबोटिक तकनीक की सहायता से सफल शल्य चिकित्सा की।
- **9 मार्च** – एक नए अध्ययन में पाया गया कि हाल के वर्षों में वैश्विक तापमान वृद्धि की रफ्तार बढ़ी है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रहती है, तो वैश्विक तापमान वृद्धि 1.5°C की सीमा को 2030 से पहले ही पार कर सकती है।
- **10 मार्च** – एबरडीन खाड़ी में समुद्री पवन टरबाइनों के आसपास पक्षियों की गतिविधियों पर किए गए अध्ययन में कोई पुष्ट टकराव दर्ज नहीं हुआ। परिणामों से संकेत मिला कि पक्षी आमतौर पर टरबाइनों से बचने का व्यवहार प्रदर्शित करते हैं।

		• **11 मार्च** – दो स्वतंत्र अध्ययनों ने निष्कर्ष निकाला कि पृथ्वी की जलवायु को स्थिर बनाए रखने के लिए लंबे समय तक शुद्ध नकारात्मक उत्सर्जन आवश्यक होगा। इसी दिन खगोलविदों ने एक दूरस्थ तारा प्रणाली में दो ग्रहों के संभावित टकराव के संकेत भी प्रस्तुत किए। • **12 मार्च** – शोधकर्ताओं ने पहली बार लिथियम बैटरियों में बनने वाले डेंड्राइट्स के यांत्रिक गुणों का प्रत्यक्ष अध्ययन किया। इस शोध से बैटरियों में होने वाले शॉर्ट सर्किट और सुरक्षा संबंधी जोखिमों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। • **18 मार्च** – क्वांटम सूचना विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए चार्ल्स एच. बेनेट और गिल्स ब्रासार्ड को 2025 का ट्यूरिंग पुरस्कार प्रदान किया गया। • **20 मार्च** – वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में विकसित पहली कृत्रिम ग्रासनली तैयार करने में सफलता प्राप्त की। परीक्षणों से पता चला कि यह अंग सामान्य निगलने की क्षमता को बहाल कर सकता है और प्रतिरक्षा-दमनकारी दवाओं की आवश्यकता नहीं पड़ती। • **24 मार्च** – इतिहास में पहली बार एंटीमैटर कणों को सड़क मार्ग से सुरक्षित रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाया गया। इसी दिन प्रकाशित एक दीर्घकालिक अध्ययन में पाया गया कि चूहों की लगातार क्लोनिंग कई पीढ़ियों के बाद आनुवंशिक क्षति के कारण सीमित हो जाती है। • **25 मार्च** – खगोलविदों ने 45 ऐसे निकटवर्ती एक्सोप्लैनेटों की सूची तैयार की जो जीवन की संभावना के दृष्टिकोण से सबसे उपयुक्त माने जाते हैं और भविष्य के अवलोकनों के लिए प्राथमिक लक्ष्य होंगे। • **27 मार्च** – ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने मधुमक्खियों के पोषण को बेहतर बनाने के लिए एक नई जैव-प्रौद्योगिकी विकसित की। संशोधित खमीर से प्राप्त पोषक तत्वों ने मधुमक्खी कॉलोनियों के विकास में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई। • **अंतरिक्ष विज्ञान सप्ताह 2026:** राष्ट्रीय अकादमियों द्वारा आयोजित इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में नवीनतम ग्रहीय खोजों, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष अन्वेषण पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञ, शोधकर्ता और नीति निर्माता एकजुट हुए। • **विश्व जल दिवस:**22 मार्च **को विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला** यह आयोजन मीठे पानी के संसाधनों के सतत प्रबंधन को बढ़ावा देने और वैश्विक जल संकटों के समाधान पर केंद्रित है। • **गुजरात साइंस सिटी में विज्ञान कार्निवल:**27 से 29 मार्च तक **आयोजित** इस आकर्षक सार्वजनिक उत्सव में अनुभवात्मक STEM गतिविधियाँ, लाइव प्रदर्शन और इंटरैक्टिव विज्ञान खोजें प्रस्तुत की गईं। • **राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम:** नई दिल्ली स्थित केंद्र ने कई शैक्षिक पहलों की मेजबानी की, जिनमें **25 मार्च**को शहर स्तरीय विज्ञान मेला और 28 और 29 मार्च **को नवाचार महोत्सव** शामिल हैं । • **भारत में जैव विज्ञान सम्मेलन:** पूरे महीने में कई विशिष्ट अनुसंधान बैठकें आयोजित की गईं, जैसे कि *आरएनए संशोधन और जीनोम विनियमन पर राष्ट्रीय सम्मेलन* (**25-26 मार्च**) और *18वीं युवा शोधकर्ता बैठक 2026* (**2-6 मार्च**)।

निष्कर्ष (Conclusion)

मार्च 2026 विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा तथा अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों और महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी रहा। पूर्ण चंद्र ग्रहण, वर्म मून तथा मार्च विषुव जैसी खगोलीय घटनाओं ने खगोल विज्ञान के प्रति जनसामान्य और वैज्ञानिक समुदाय की रुचि को बढ़ावा दिया। जीवविज्ञान, चिकित्सा, भौतिकी तथा कण अनुसंधान के क्षेत्रों में हुई प्रगति ने वैज्ञानिक ज्ञान के विस्तार और नई संभावनाओं के विकास का मार्ग प्रशस्त किया। साथ ही, भारत ने रक्षा आधुनिकीकरण, स्वदेशी तकनीकी विकास, मिसाइल परीक्षणों तथा रिकॉर्ड रक्षा निर्यात के माध्यम से अपनी रणनीतिक और तकनीकी क्षमता को और अधिक सुदृढ़ किया। विभिन्न वैज्ञानिक सम्मेलनों, विज्ञान मेलों तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों ने अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया। समग्र रूप से, मार्च 2026 की घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर प्रगति मानव कल्याण, राष्ट्रीय विकास और वैश्विक सहयोग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक शिक्षा में सतत निवेश भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची (Bibliography/References)

1. http://www.seasky.org/astronomy/astronomy-calendar-2026.html
2. https://www.svbony.com/blog/astronomical-events-in-march-2026?srsltid=AfmBOooXoQXDXKLtVDbXB5kIQjckSYFAUvvcjqvV3IeU8outbrQUGMHB
3. https://en.wikipedia.org/wiki/2026_in_science
4. https://wsds.teriin.org/2026/
5. https://www.youtube.com/watch?v=MAFdj6B3GRY&t=19s
6. https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2237432&reg=48&lang=2
7. https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2246125&reg=48&lang=2
8. https://ssbcrackexams.com/monthly-defence-current-affairs-march-2026/
9. https://www.ikigailaw.com/article/674/defence-dispatch---march-2026
10. https://srijandefence.gov.in/CMM/AboutTheEvent.aspx
11. https://en.wikipedia.org/wiki/2026_in_science
12. https://drdo.gov.in/drdo/sites/default/files/drdo_news/NPC12March2026.pdf
13. https://www.drishtiias.com/images/pdf/Saraansh%20March%202026%201.pdf
14. https://www.vedantu.com/blog/celebrating-world-water-day